



एक भाई की वासना -43

“जाहिरा अपनी आँखें बंद किए हुए पड़ी लंबी-लंबी साँसें ले रही थी। थोड़ी देर के बाद फैजान उठा और अपना पजामा उतार कर अपनी अकड़े हुए लंड को पकड़ कर उसकी चूत के सामने बैठ गया। ...”

Story By: zooza ji (zoozaji)

Posted: Saturday, September 19th, 2015

Categories: [भाई बहन](#)

Online version: [एक भाई की वासना -43](#)

एक भाई की वासना -43

सम्पादक – जूजा जी

हजरात आपने अभी तक पढ़ा..

एक मर्द का अपने भाई का हाथ अपनी चूत पर लगते ही जाहिरा की चूत गरम होने लगी और उसके मुँह से सिसकारियाँ निकलने लगीं ।

अपनी सगी बहन की चूत पर अपनी उंगली फेरते हुए आहिस्ता आहिस्ता अपनी उंगली को उसकी चूत की दरार में घुसेड़ रहा था और उसकी उंगली पर उसकी अपनी ही बहन की चूत का पानी लग रहा था ।

फैजान ने अपनी उंगली ऊपर की ओर जाहिरा को दिखाते हुए कहा- देख.. तेरी चूत कितना पानी छोड़ रही है.. तेरी चूत मेरे लण्ड से चुदने लिए कितनी प्यासी और चुदासी हो रही है ।

जाहिरा ने शर्मा कर आँखें बंद कर लीं ।

अब आगे लुत्फ लें..

फैजान ने जाहिरा की चूत की पानी से गीली हो रही उंगली को उसके लबों से लगाया और गीला पानी उसके होंठों पर मलने लगा ।

जाहिरा ने अपने सिर को इधर-उधर हिलाना शुरू कर दिया.. लेकिन फैजान ने अपनी उंगली उसके होंठों के दरम्यान में डाल कर उसके मुँह में डाल ही दी और उसे अपनी ही चूत का पानी चाटने पर मजबूर कर दिया ।

फैजान ने जाहिरा की दोनों टाँगों के दरम्यान थोड़ी जगह बनाई और दरम्यान में लेट गया ।

अब जाहिरा की एक टाँग मेरे ऊपर थी। फैजान ने दरम्यान में बैठ कर अपनी बहन की कुँवारी चूत को एक किस किया और फिर अपनी जुबान की नोक को उसकी चूत के लबों की दरम्यानी लकीर पर ऊपर से नीचे और नीचे से ऊपर को फेरने लगा।

आहिस्ता-आहिस्ता उसके दोनों लबों को खोल कर अपनी बहन की कुँवारी चूत के सुराख को अपने सामने किया और फिर अपनी जुबान की नोक से जाहिरा की चूत के सुराख को छूने लगा।

आहिस्ता आहिस्ता उसकी चूत के सुराख को चाटते हुए फैजान ने अपनी जुबान को अन्दर डालना शुरू कर दिया।

जाहिरा का बुरा हाल हो रहा था.. वो अपने भाई के सिर के बालों को पकड़ कर खींच रही थी और नोंच रही थी। उसकी चूत पानी-पानी हो रही थी और वो अन्दर से बिल्कुल चिकनी हो चुकी हुई थी।

फैजान ने अपनी एक उंगली उसकी चूत के अन्दर डाली.. तो उसे अपने बहन की चूत के अन्दर का कुँवारा परदा रोड़ा अटकाता महसूस हुआ। यह कहानी आप अन्तर्वासना डॉट कॉम पर पढ़ रहे हैं !

वो उसे छूते हुए बोला- मेरी जान.. आज तेरी चूत के इस परदे को फाड़ कर तेरी चूत का 'एंट्री गेट' खोल दूँगा.. फिर बड़ी आसानी से तेरी चूत में लंड जा सकेगा।

जाहिरा अपनी आँखें बंद किए हुए पड़ी लंबी-लंबी साँसें ले रही थी।

थोड़ी देर के बाद फैजान उठा और अपना पजामा उतार कर अपने अकड़े हुए लंड को पकड़ कर उसकी चूत के सामने बैठ गया।

फैजान अपने हाथ में लौड़े को पकड़ कर अपनी बहन की चूत की ऊपर रगड़ने लगा।

उसके लण्ड की टोपी भी जाहिरा की चूत के पानी से गीली होती जा रही थी।

उधर अपने इतने करीब बहन-भाई का इस क्रूर सेक्सी खेल होता हुआ देख कर मेरी अपनी चूत भी पानी छोड़ रही थी।

अगर इस वक़्त फैजान मेरी चूत को छू लेता.. तो यकीनन मैं पकड़ी जाती कि मैं जाग रही हूँ और यह सब देखते हुए मस्त हो रही हूँ।

फैजान ने अपने दोनों हाथों की उंगलियों से अपनी सगी बहन की चूत के दोनों होंठों को खोला और अपनी लंड की मोटी फूली हुई टोपी.. जो कि उसकी बहन की चूत के पानी से ही गीली होकर चमक रही थी.. उसे उसकी चूत के सुराख पर रखा और धीरे-धीरे अपना लंड अन्दर घुसेड़ने लगा।

जाहिरा ने पहले तो आँखें खोल कर खौफ़ और डर की कैफियत के साथ अपने भाई की तरफ देखा और अपने दोनों हाथों को उसके सीने पर रखते हुए रोकने की कोशिश की.. लेकिन फिर कुछ कहे बिना ही खामोश होकर अपनी आँखें बंद कर लीं।

वो अपनी चूत में दाखिल होने वाले अपने भाई के लंड का इन्तजार करने लगी।

फैजान ने थोड़ा सा जोर लगाया तो उसके लण्ड की मोटी टोपी फिसल कर उसकी बहन की चूत के सुराख के पहले छल्ले के अन्दर दाखिल हो गई.. इसी के साथ ही जाहिरा की एक हल्की सी चीख निकल पड़ी- उई.. अम्मी..याह...!

फैजान- हौसला रखो.. मेरी जान.. अभी तो कुछ भी नहीं हुआ.. अभी तो मैंने टोपा को थोड़ा सा अन्दर फंसाया ही है।

फिर फैजान ने जाहिरा की दोनों टाँगों को पकड़ कर ऊपर किया और उसकी जाँघों को अपने काबू में करते हुए अपने लंड के सुपारे को ही थोड़ा-थोड़ा आगे-पीछे करने लगा।

इस थोड़ी-थोड़ी सी हरकत से जाहिरा भी अपने भाई के लंड से मुन्तजिर होने लगी और उसे भी मज़ा आने लगा- ईसस्स.. ओह.. इस्स.. आआआहह.. ओऊम्मकम.. ऊऊऊहह.. उफफ..अम्मी..रे..

जैसे ही जाहिरा के मुँह से हल्की-हल्की सी सिसकारियाँ निकलने लगीं.. तो धीरे-धीरे फैजान ने अपने लंड को और भी अन्दर डालना शुरू कर दिया। थोड़ी ही देर में उसका लंड अपनी बहन की चूत के परदे से टकराने लगा।

कुछ देर तक रुक कर.. गोया उस परदे को अपने लंड की टोपी से सहलाते हुए फैजान ने एक हल्का सा धक्का मारा.. तो पूरी तरह गरम हो चुकी उसकी बहन की चूत का परदा फटता चला गया और उसका लंड अन्दर दाखिल हो गया।

जाहिरा की एक हल्की सी मगर तेज चीख निकली.. लेकिन इसी के साथ ही फैजान ने उसके ऊपर लेटते हुए उसके होंठों को अपने होंठों में जकड़ लिया और उसे चूसने लगा।

पीछे से वो बिल्कुल सख्त था.. फिर आहिस्ता आहिस्ता अपने लंड को अन्दर बाहर करते हुए वो अपनी बहन की चूत को चोदने लगा।

ऐसा लग रहा था कि जाहिरा बेसुध सी हो गई थी.. पर तभी उसके हाथों की मुठ्ठियों से चादर को खिंचते देखा तो मैं समझ गई कि जाहिरा को अपनी सील टूटने से बेहद दर्द हो रहा था और वो मेरे कारण ही अपनी चीख को बाहर नहीं निकलने दे रही है.. बहुत ही हिम्मत वाली लड़की थी।

अब धकापेल चुदाई चालू हो चुकी थी शायद फैजान के लौड़े ने चूत में अपनी जगह बना ली थी.. क्योंकि तभी जाहिरा ने भी अपने दोनों बाजू अपने भाई की कमर की गिर्द डाल लिए थे और वो उससे लिपट गई थी.. इसका साफ़ मतलब था कि जाहिरा को अब चुदने में

मजा आने लगा था ।

अपने हाथों को जाहिरा की कमर के नीचे लाते हुए फैजान ने अपनी बहन के जिस्म को अपनी बाँहों में भर लिया और आहिस्ता आहिस्ता अपने धक्कों की रफ्तार को बढ़ाते हुए अपनी बहन की चुदाई में तेज़ी लाने लगा ।

पूरा बिस्तर उसके धक्कों की ताकत से हिल रहा था और मुझे ऐसा महसूस हो रहा था कि जैसे उसका लंड मेरी ही चूत में जा रहा हो ।

फैजान एक टाइट और कुँवारी चूत को पहली बार चोद रहा था.. तो कैसे ज्यादा देर तक बर्दाश्त कर सकता था.. इसलिए कुछ ही देर गुज़री कि फैजान ने अपने लंड को पूरा का पूरा अपनी बहन की चूत के अन्दर डालते हुए अपने लंड से पानी निकालना शुरू कर दिया और उसके लण्ड से सारी की सारी मलाई निकल कर अपनी बहन की चूत में गिरने लगी । इसी के साथ ही फैजान अपनी बहन के ऊपर ही ढेर हो गया ।

रात में फैजान ने एक बार दोबारा जाहिरा को चोदना चाहा.. लेकिन जाहिरा ने यह कह करके इन्कार कर दिया कि अभी उसे नीचे चूत में बहुत ज्यादा तकलीफ़ हो रही है.. तो अभी वो दोबारा उससे नहीं चुदवा सकती है ।

मजबूरन फैजान भी अपनी बहन के जिस्म के साथ लिपट कर सो गया ।
उनकी सोने के बाद मैं भी सो गई ।

सुबह मेरी आँख अपनी बिस्तर पर हो रही कुछ हरकतों की वजह से खुली और हल्की हल्की सिसकारियाँ और आवाज़ें भी आ रही थीं ।

मैंने थोड़ी सी आँख खोल कर देखा तो फैजान दोबारा से अपनी बहन की चूत को चाटने में मसरूफ़ था और जाहिरा के मुँह से कामुक और लज्जतनशीं सिसकारियाँ निकल रही थीं ।

जैसे ही मैंने थोड़ी सी हरकत की तो फैजान ने जल्दी से जाहिरा की जाँघों के बीच में से छूलाँग लगाई और बिस्तर से नीचे उतर कर बाथरूम की तरफ चल पड़ा। जाहिरा ने भी फ़ौरन से अपनी आँखें बंद कर लीं। मैं मुस्कराई और फिर आहिस्ता आहिस्ता जाहिरा को हिलाकर जगाने लगी- जाहिरा.. उठो सुबह हो गई.. जाओ और चाय बना कर ले आओ। जाहिरा नींद से उठने की अदाकारी करती हुए बेडरूम से बाहर निकल गई।

कुछ देर ही गुज़री.. तो मुझे बाथरूम के अन्दर से कुछ खुसर-फुसर की आवाजें आने लगीं। मैं उठ कर बाथरूम के दरवाजे के पास गई और अन्दर की आवाजें सुनने की कोशिश करने लगी। मेरा शक ठीक था.. बाथरूम में दोनों बहन-भाई मौजूद थे। जाहिरा बाथरूम के दूसरे दरवाजे से बाथरूम में अपने भाई के पास आ गई थी।

अन्दर से आवाज़ आ रही थी- भैया प्लीज़.. छोड़ दो ना मुझे.. देखो भाभी भी जाग गई हुई हैं..

फैजान- तुम खुद ही बाथरूम में आई हो.. मैंने तो नहीं बुलाया था ना.. अब क्यों नखरे कर रही हो ?

जाहिरा ने खिलखिलाते हुए कहा- भैया.. तुम गलत समझ रहे हो.. मैं तो इसलिए आई थी कि आपको कहूँ कि आकर चाय ले लो और आप पता नहीं क्या समझे हो ?

फैजान- अब आ ही गई हो.. तो थोड़ा सा इसे चूस ही लो यार..

जाहिरा जैसे खुद को छुड़ाते हुए- छोड़ो भैया मुझे.. मैं चूल्हे पर चाय रख कर आई हुई हूँ। इसी के साथ ही मुझे बाथरूम का दूसरा दरवाज़ा बंद होने की आवाज़ आई।

जाहिरा दूसरी तरफ से निकल गई थी और मैं भी वापिस अपनी बिस्तर पर लेट गई। कुछ ही देर में फैजान भी वॉशरूम से बाहर निकल कर कमरे में आ गया।

इसके साथ ही जाहिरा भी चाय लेकर आ गई और मेरे सिर पर हाथ फेर कर मुझे उठाते हुए

बोली- भाभी.. उठिए.. अब कैसी तबीयत है आपकी ?

मैंने आँखें खोलीं और बोली- हाँ.. अब काफ़ी बेहतर है.. रात में नींद ठीक से आ गई है.. तो इसलिए अब सिर भी भारी नहीं है और तरोज़ा भी महसूस कर रही हूँ।

फैजान और जाहिरा दोनों बैठ कर चाय पीने लगे और मैं उठ कर वॉशरूम में आ गई। मैं जैसे ही वॉशरूम में आई.. तो बेडरूम से दोबारा आवाज़ें आने लगीं।

फैजान- यार लो तो सही.. इसे मुँह में थोड़ी देर के लिए ही ले लो न..

जाहिरा- भैया क्या है ना.. मैं आपको देख ही नहीं रही हूँ.. मैं चाय पी रही हूँ।

फैजान- मेरी जान चाय के साथ स्नेक्स के तौर पर ही मेरा लंड अपने मुँह ले लो।

जाहिरा हँसते हुए- तो फिर ठीक है.. मैं आपका लंड बिस्कट की तरह गर्म-गर्म चाय में डुबो कर ना ले लूँ ?

फैजान भी इस बात पर हँसने लगा और उन दोनों की शरारतों और अठखेलियों पर मेरी भी हँसी छूट गई..

नाश्ता करने के बाद फैजान ऑफिस चला गया और जाहिरा मेरे पास ही घर पर रुक गई।

जाहिरा रसोई समेटने लगी.. तो मैं अपने कमरे में आ गई और अपने पूरे कपड़े उतार कर नंगी होकर लेट गई.. क्योंकि रात में एक भाई के लंड से एक बहन की चुदाई देख कर मेरी अपनी चूत में आग लगी हुई थी।

कुछ देर में जाहिरा चाय बना कर लाई तो मुझे नंगी लेटी देख कर चौंक उठी।

आप सब इस कहानी के बारे में अपने ख्यालात इस कहानी के सम्पादक की ईमेल तक भेज सकते हैं।

अभी वाकिया बदस्तूर है।

avzooza@gmail.com

Other stories you may be interested in

बगल वाली प्यारी चुदासी आंटी

नमस्कार दोस्तो, मेरा नाम सौरभ है, मैं अन्तर्वासना का पुराना पाठक हूँ. मैं अन्तर्वासना की अधिकतर कहानियाँ पढ़ चुका हूँ। हर बार एक दर्शक की तरह इन कहानियों का आनंद उठाता रहता हूँ। लेकिन इस बार मैंने मेरी ज़िंदगी की [...]

[Full Story >>>](#)

कोटा कोचिंग की लड़की का बुरा चोदन-2

मेरी सेक्सी कहानी के पहले भाग कोटा कोचिंग की लड़की का बुरा चोदन-1 में अब तक आपने पढ़ा कि एक ईमेल के माध्यम से नूपुर जैन ने मुझे बताया कि वह मुझसे चुदवाना चाहती थी, उसने मुझे अपने पास कोटा [...]

[Full Story >>>](#)

दोस्त की चुदासी बहन को चोद दिया

यह मेरी पहली कहानी है, मैं उम्मीद करता हूँ कि आप सभी को पसंद आएगी. मैं यूपी का रहने वाला हूँ. मेरा लंड 6 इंच का है और मैं 22 साल का हूँ. यह कहानी मेरी और मेरे दोस्त की [...]

[Full Story >>>](#)

कॉलेज के सीनियर से पहली चुदाई

दोस्तो, मैं नेहा गुप्ता आप लोगों के लिए एक नई कहानी लेकर आई हूँ जो मेरी आपबीती है। कहानी की शुरुआत करने से पहले मैं बता दूँ कि मेरी उम्र 21 साल है और मेरी फिगर 32-28-34 है। मैंने अपनी [...]

[Full Story >>>](#)

मेरे मामा की लड़की मेरी दिलबर

नमस्कार दोस्तो, मेरा नाम सम्राट है और अन्तर्वासना की कहानियाँ पढ़कर मुझे भी अपनी सच्ची दास्तान सुनाने की इच्छा हुई. समय बर्बाद न करते हुए मैं आता हूँ अपनी कहानी पर। वो कहते हैं न कि प्यार कहीं भी किसी [...]

[Full Story >>>](#)

